सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

स्वास्थ्य संबंधी किताबों को पढ़ने में सावधानी बरतिये। एक मुद्रणदोष की वजह से आपकी मौत हो सकती है।
–मार्क ट्वेन

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 257 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 25 अक्टूबर, 2023

अफ्रीका ने लगाया जीत का चौका, डिकॉक... 7
पांच राज्यों में मुस्लिम वोट निर्णायक... 3
इंडिया अलायंस को अपनाओ भाजपा... 2

हर चुनाव में अपना चेहरा आगे करते हैं पीएम, क्या अब सीएम बनेंगे : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी पर बोला जोरदार हमला

- भाजपा के लिए सत्ता विरोधी लहर
- महंगाई और बेरोजगारी से लोग परेशान
- पांचों राज्यों में बनेगी कांग्रेस की सरकार
- विधानसभा और लोकसभा चुनाव के मुद्दे अलग-अलग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विधानसभा चुनावों के नतीजे को लेकर दावा किया कि वह पांच राज्यों में जरूर जीत हासिल करेंगे। उन्होंने इस दौरान भाजपा पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा के सबसे बड़े नेता व प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि पीएम पीएम मोदी हर चुनाव को मेरा चुनाव कहते हैं। मुझे देखकर वोट दो ऐसा कहते हैं। पीएम हर चुनाव नगर निगम चुनाव, विधानसभा चुनाव को खुद के मतदान करने के लिए कहते हैं।

खरगे ने कहा कि क्या पीएम खुद सीएम बनने जा रहे हैं? कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लोग सोच समझकर स्थानीय नेताओं को वोट देते हैं, जिन्होंने उनके लिए काम किया हो। उन्होंने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी से लोग परेशान हैं। भाजपा के लिए सत्ता विरोधी लहर है। भाजपा अपने किसी भी वादे पर खरी नहीं उतरी है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से पूछा गया कि क्या पांचों राज्यों के चुनाव 2024 के आम चुनावों का सेमीफाइनल होगा? इस पर खरगे ने कहा, नहीं, ऐसा नहीं है। हर राज्य के अलग-अलग चुनावी मुद्दे होते हैं, उन्हीं के हिसाब से वोटिंग होती है। चुनाव विधानसभा चुनावों से अलग होते हैं।

राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हो रहा अच्छा काम

खरगे ने आगे कहा, 'अशोक गहलोत और भूपेश बघेल राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अच्छा काम कर रहे हैं। वहां कोई समस्या नहीं है। मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के कारण परेशानियां हैं। लोग उनके खिलाफ हो गए हैं। इसलिए, हमें उम्मीद है कि हम सभी पांच राज्यों में अपनी सरकार लाएंगे और सब कुछ ठीक हो जाएगा।' मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान से लोगों को परेशानी है और लोग उनके खिलाफ बोल रहे हैं।

कर्नाटक सरकार को थोड़ा और समय देने की जरूरत

कर्नाटक में कलबुर्गी में कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विधानसभा चुनावों को लेकर पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि जो चल रहा है वो ठीक चल रहा है। हमारी पार्टी के लोग हर जगह काम कर रहे हैं। विश्वास है कि हम पांच राज्य में जरूर जीतेंगे। उन्होंने आगे कहा कि लोग खुद ब खुद वोट डालने के लिए आ रहे हैं। भाजपा के लिए सत्ता विरोधी लहर है। भाजपा अपने किसी भी वादे पर खरी नहीं उतरी है। पूरे कर्नाटक को केंद्रीय योजनाओं से वंछित रखा। खरगे ने कहा कि सरकार को कुछ समय देना चाहिए और चुनाव के लिए किसी सरकार को बदनाम करना अच्छा नहीं है. ये इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के छापे वहीं चलते हैं जहां बीजेपी कमजोर होती है। ऐसा वर्षों से चल रहे है, जहां भाजपा कमजोर होती है तो आईटी की छापेमारी शुरू करा देती है।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने चार सीटों पर उम्मीदवार बदले

मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने चार सीटों पर उम्मीदवार बदल दिए हैं। कांग्रेस ने सुमावली, पिपरिया, बड़नगर और जावरा सीट के उम्मीदवारों में बदलाव किए हैं। कांग्रेस ने सुमावली से कुलदीप सिकरवार की जगह अजब सिंह कुशवाहा, पिपरिया से गुरु चरण खरे की जगह विरेंद्र बेलवंशी, बड़नगर से राजेंद्र सिंह सोलंकी की जगह मुरली मोरवल और जावरा से हिम्मत श्रीमाल की जगह विरेंद्र सिंह सोलंकी को उम्मीदवार बनाया है। टिकट की घोषणा के बाद अंतरकलह का सामना कर रही कांग्रेस के लिए मुश्किलें कम नहीं हो रही थी लगातार कांग्रेस के विधानसभा चुनाव के दावेदार वरिष्ठ नेताओं से मिलकर टिकट बदलने की मांग कर रहे थे ऐसे में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की ओर से जो टिकट जारी किए गए उन सीटों में चार सीटों को लेकर फैसला सामने आया है जहां कांग्रेस प्रत्याशियों को बदल दिया गया है। इससे पहले बीते दिनों तीन प्रत्याशी बदले गए थे.। कांग्रेस ने तीसरी सूची में बदलाव करते हुए कमलनाथ सरकार में विधानसभा अध्यक्ष रहे नर्मदा प्रसाद प्रजापति को नरसिंहपुर जिले की गोटेगांव (अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित), दतिया से गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के खिलाफ राजेंद्र भारती और पिछोर से जहां से शैलेंद्र सिंह की जगह अरविंद सिंह लोधी को टिकट दिया गया है।

अखिलेश एक अच्छे व ईमानदार नेता : दिग्विजय

मध्य प्रदेश में सपा और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह का भी बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने कहा कि कमलनाथ ने क्या कहा, मुझे नहीं पता कि उन्होंने कैसे कहा, लेकिन किसी के बारे में ऐसा कुछ नहीं कहना चाहिए...कमलनाथ ने मेरे पास एक टीम भेजी... बैठक में चर्चा हुई कि सपा 6 सीटें मांग रही है... मैंने कमलनाथ को रिपोर्ट भेजी कि हम उनके (सपा) के लिए 4 सीटें छोड़ सकते हैं... मैंने भी पूछा कार्यसमिति की बैठक में केंद्रीय नेतृत्व ने कहा कि इंडिया एलायंस से हमारा क्या संबंध होना चाहिए। दिग्विजय सिंह ने आगे कहा कि उन्होंने (कमलनाथ) इसे प्रदेश नेतृत्व पर छोड़ दिया...इंडिया एलायंस लोकसभा चुनाव तो साथ मिलकर लड़ेगा लेकिन राज्य चुनाव में हमारे मुद्दे अलग हैं , अखिलेश बहुत ईमानदार व्यक्ति हैं। वे पढ़े-लिखे हैं और पार्टी और परिवार को संभाल रहे हैं, मुझे नहीं पता कि चर्चा कहां गलत हो गई लेकिन कमलनाथ पूरी ईमानदारी के साथ किसी समझौते पर पहुंचना चाहते थे। अलायंस में दोस्ताना झगड़े हो जाते हैं। दिग्विजय सिंह ने आगे कहा कि समाजवादी पार्टी और मुलायल सिंह जी की मुझ पर बड़ी कृपा थी जब वो मुख्यमंत्री थे और मैं भी मुख्यमंत्री था। उन जैसे राजनेता हमने कभी नहीं देखा था। जब भी मैं टाइम मांगता था मुझसे मिलते थे। वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी में चल रहे आरोप-प्रत्यारोप का जवाब देते हुए कांग्रेस पर हमला तो बोला, लेकिन उन्होंने इंडिया गठबंधन के टूटने की अटकलों पर विराम भी लगा दिया है।

कांग्रेस नेता सुशील कुमार शिंदे ने राजनीति से लिया संन्यास

पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री और कांग्रेस नेता सुशील कुमार शिंदे ने सक्रिय राजनीति से संन्यास की घोषणा की। एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह घोषणा की। शिंदे ने अपनी बेटी का नाम आगे रखते हुए कहा, मेरी बेटी (परिणीति शिंदे) 2024 का चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा जहां भी मेरी जरूरत होगी, मैं मौजूद रहूंगा। परिणीति शिंदे सोलापुर से तीन बार विधायक रह चुकी हैं। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री सोलापुर सीट से तीन बार सांसद रहे। शिंदे महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री के साथ-साथ 2012 में केंद्रीय गृह मंत्री और मनमोहन सिंह सरकार में ऊर्जा मंत्री भी रह चुके हैं। 1971 में शिंदे कांग्रेस पार्टी के सदस्य बने। उन्होंने 1974, 1980, 1985, 1990, 1992 में महाराष्ट्र राज्य विधानसभा चुनाव जीते। अगस्त 2004-(सामान्य) उपचुनाव, सितंबर 2004 से अक्टूबर 2004-(सामान्य)। शिंदे जुलाई 1992 से मार्च 1998 के दौरान महाराष्ट्र से राज्यसभा के लिए चुने गए। 1999 में, उन्होंने उत्तर प्रदेश के अमेठी में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के अभियान प्रबंधक के रूप में काम किया। 2002 में, शिंदे भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार भैरों सिंह शेखावत के खिलाफ चुनाव हार गए। उन्होंने 2003 से 2004 तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया।

यूपी के अस्पतालों में मचा हाहाकार : अखिलेश

» सपा मुखिया ने कहा- संक्रामक बीमारियों से पटे अस्पतालों की हालत दयनीय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने यूपी की योगी सरकार पर स्वास्थ्य सुविधाओं में हिलाहवाली पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंन कहा कि उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं सुधरने वाली नहीं हैं। डेंगू-मलेरिया, बुखार के मरीजों की अस्पतालों में लम्बी-लम्बी लाइनें लग रही हैं। डॉक्टर, मेडिकल स्टाफ की भारी कमी के चलते मरीज बिना इलाज भटक रहे है। संक्रामक बीमारियों की वजह से प्रदेश में हाहाकार मचा है। सपा प्रमुख ने कहा कि बरेली में डेंगू मरीजों का आंकड़ा 550 पार पहुंच गया है। वीवीआईपी इलाकों को छोड़कर फागिंग कहीं नहीं हो रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि पीजीआई और मेडिकल कॉलेज में तो रात में ही लोग पर्ची बनवाने के लिए लाइन लगा लेते हैं। वीआईपी ड्यूटी के कारण बहुत से डॉक्टर ओपीडी में अनुपस्थित रहते हैं। रेउसा सीएचसी में ऑन ड्यूटी डॉक्टरों के नदारद होने से मरीजों को बिना इलाज लौटना पड़ रहा है। अखिलेश ने कहा कि सरकार पूंजीपतियों के हित में लगी है। प्राइवेट नर्सिंग होम सरकार से सांठगांठ कर असहाय जनता को लूटने का काम कर रहे हैं। दशहरा पर्व पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पत्नी डिंपल और बच्चों के साथ देवप्रयाग पहुंचे। यहां उन्होंने संगम पर स्नान कर मां गंगा का अशीर्वाद लिया। अखिलेश इसके बाद केदारनाथ धाम दर्शन के लिए भी

अखिलेश ने देवप्रयाग में मनाया त्यौहार

जाएंगे। वह सपरिवार यहां आए हुए हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में उनका संगठन बनेगा। उनकी कोशिश होगी कि उनकी पार्टी यहां से चुनाव लड़े। इंडिया गठबंधन मजबूत है। कांग्रेस और सपा में मतभेद नहीं है। सिर्फ दोनों के सोचने का तरीका अलग है। मंगलवार को सपा नेता अखिलेश यादव अपनी पत्नी व सांसद डिंपल यादव तथा परिवार के साथ अचानक देवप्रयाग में अलकनंदा और भागीरथी के संगम पर पहुंचे। अखिलेश के परिवार के साथ पहुंचने पर पुलिस की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इस दौरान गंगा स्नान के बाद तीर्थ पुरोहित पंडित हजारी लाल भट्ट ने गंगा पूजन करवाया।

हमारी और कांग्रेस की सोच में फर्क

मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस के मिलकर लड़ने पर बात नहीं बनी। अखिलेश यादव ने कहा है कि सपा और कांग्रेस के सोचने के तरीके में फर्क है। सपा अध्यक्ष के मुताबिक, गठबंधन के तहत सपा को कुछ सीटें देने पर सहमति बन गई थी। इस बाबत अखिलेश यादव व मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच भी बात हुई थी। सपा नेतृत्व को उम्मीद थी कि कम से कम छह सीटें उसे गठबंधन के तहत मिलेंगी और इसकी घोषणा नवरात्र में आने वाली कांग्रेस की पहली सूची में कर दी जाएगी। लेकिन, जब ऐसा नहीं हुआ तो दोनों ओर से तल्खी भरे बयान आने लगे। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा-कांग्रेस के बीच मतभेद नहीं है, पर हमारे और उनके सोचने के तरीके में फर्क है। अगर हम किसी राज्य में अपना आधार बढ़ाना चाहते हैं तो इसमें किसी भी दल को कोई एतराज नहीं होना चाहिए। हम पीडीए की अपनी बात लेकर लोगों के बीच जाएंगे। अगर समाजवादियों की बात अवाम को अच्छी लगेगी तो वे हमसे जरूर जुड़ेंगे।

कमलनाथ मेरे दोस्त : राम गोपाल

मप्र में सीटों के बंटवारे को लेकर सपा और कांग्रेस के बीच चल रहा वाकयुद्ध अब रुकने जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खरगे के फोन कॉल के बाद सपा नेताओं के तेवर बदल गए हैं। पहले राहुल गांधी ने अपना संदेश अखिलेश को पहुंचाया। फिर रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खरगे ने खुद ही अखिलेश से बात की। ऐसा माना जा रहा है कि मप्र में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन हो सकता है। बीते दिनों कमलनाथ का एक बयान वायरल हो रहा था। इस बयान में कमलनाथ यह कहते दिख रहे थे कि कौन अखिलेश वखिलेश। इस बयान को सपा प्रमुख ने गंभीरता से लिया था। इसके बाद उनकी तरफ से तल्ख टिप्पणी भी आई थी। सपा के नेता भी इस बयानबाजी में कूद पड़े थे। अब इस मसले को ठंडा करने की कोशिशें हो रही हैं। सपा के वरिष्ठ नेता राम गोपाल यादव ने कहा कि कमलनाथ तो मेरे दोस्त हैं। उनसे किसी प्रकार की खटास नहीं है।

उद्धव ने बाला साहब ठाकरे की विचारधारा को दफनाया : शिंदे

» बोले- वे हमास को भी 'गले' लगा सकते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि उन्होंने सत्ता के लिए बाला साहब ठाकरे की हिंदुत्व विचारधारा को दफन कर दिया तथा कांग्रेस और समाजवादी दलों से हाथ मिला लिया। आजाद मैदान में शिव सेना की दशहरा रैली में विशाल सभा को संबोधित करते हुए शिंदे ने ठाकरे का नाम लिए बिना कहा कि उन्होंने अपनी वैचारिक विरासत के साथ बेईमानी करके बाल ठाकरे की पीठ में छुरा घोंपा है।

शिंदे ने कहा कि उन्हें आश्चर्य नहीं होगा अगर वे असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व

वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के साथ गठबंधन कर लें और ''वे अपने स्वार्थी उद्देश्यों और कुर्सी (सत्ता) के लिए हमास, हिजबुल मुजाहिदीन, लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकवादी संगठनों को गले लगा लें। राज्य सरकार मराठा समुदाय को आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है जो कानूनी जांच में खरा उतरेगा।

भाजपा ने मारा कश्मीरियों का हक: हर्ष देव

» बीजेपी ने जम्मू कश्मीर को बना दिया प्रयोगशाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। बीजेपी के खिलाफ प्रदर्शन कर प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे हर्ष देव सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा ने जम्मू कश्मीर को प्रयोगशाला में तब्दील कर दिया है और यहां नए-नए प्रयोग बस किए जा रहे हैं। लोगों के हक नहीं मिल रहे। जनता की आवाज को दबाया जा रहा है। हर्ष देव सिंह ने कहा कि प्रदेश में भाजपा लगातार लोकतंत्र का गल घोंट रही है।

जम्मू कश्मीर के नाम पर दूसरे राज्यों में भाजपा वोट मांग रही है, लेकिन यहां तो लोगों को बुनियादी हक तक नहीं मिल रहे और न ही यहां पर चुनाव कराए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया गया कि प्रदेश में भाजपा तानाशाही रवैया अपनाए

हुए हैं। इससे पहले पैंथर्स पार्टी ने भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसके साथ ही पैंथर्स नेता ने आरोप लगाया कि प्रदेश की असेंबली को फिल्म स्टूडियो बना दिया है। शूटिंग करने के लिए लोकतंत्र के मंदिर को फिल्म कंपनी को सौंप दिया गया हैं। रियासत में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। नए-नए टैक्स लगाए जा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग की। उन्होंने विपक्षी नेताओं को आह्वान किया कि वे जनता की समस्याओं को उजागर करने के लिए एसी कमरों से बाहर निकलें।

कर्ण सिंह ने की कार्यकारी समिति से नाम हटाने की मांग

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. कर्ण सिंह ने पार्टी की जम्मू कश्मीर इकाई की 22 सदस्यीय कार्यकारिणी समिति से अपना नाम हटाने की मांग की है। 92 वर्षीय कर्ण सिंह ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को एक पत्र लिख कर यह अनुरोध किया है। इसमें उन्होंने यह भी कहा है कि वे कई वर्षों से प्रदेश की राजनीति में सक्रिय नहीं हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने 19 अक्टूबर को समिति के प्रदेश कांग्रेस की नई कार्यकारिणी समिति के गठन को मंजूरी दी थी। इसमें दिग्गज नेता कर्ण सिंह और सैफ-उद-दीन सोज के साथ-साथ पार्टी के वरिष्ठ सदस्य गुलाम अहमद मीर, तारिक हमीद कर्रा, तारा चंद सहित 22 सदस्यों को शामिल किया गया है।कर्ण सिंह ने पत्र में लाख है, मेरा नाम नवगठित जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी समिति में शामिल किया गया है। जैसा कि आप जानते हैं, मैं कई वर्षों से प्रदेश की राजनीति में सक्रिय नहीं हूं। इसलिए मैं अनुरोध करता हूं कि मेरा नाम हटा दिया जाए।

इंडिया अलायंस को अपनाओ भाजपा को भगाओ

» केजरीवाल का भाजपा पर हमला, बोले- सभी लोग एकजुट हों और अंधभक्तों से दूर रहें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इंडिया अलायंस को अपना विकल्प बनाओ और 2024 में भाजपा को भगाओ। सभी लोग एकजुट हो और अंधभक्तों से दूर रहो। अंधभक्त सिर्फ एक व्यक्ति से प्यार करते हैं, वे देश से कभी प्यार नहीं कर सकते। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने तरक्की का एक भी कम नहीं किया। आज देश महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसी तीन समस्याओं से जूझ रहा है। भाजपा को हराना ही सबसे बड़ी देशभक्ती है।

दिल्ली में साफ हवा के मामले पर भी सीएम ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने दावा किया आप सरकार इस पर ठोस काम कर रही है। वहीं दिल्ली के मुख्य सचिव द्वारा

संजय सिंह जेल में निष्क्रिय संगठन को हम करेंगे तैयार

पॉल्यूशन लेवल हाई होने के बाद इसे कंट्रोल करने वाली सरकारी एजेंसियों के ग्रीवांस रिड्रेसल ऐप या वेबसाइट को खंगाला जा रहा है। ताकि यह पता चल सके कि पॉल्यूशन संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए किस एजेंसी ने क्या किया और इसके समाधान के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। जनवरी से लेकर अब तक 25 सरकारी एजेंसियों से रेकॉर्ड मांगे गए हैं। अब तक 70,791 शिकायतें मिली हैं।

गांव-गांव में पहुंचेगी आप : सभाजीत

लखनऊ। आप के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा है कि एक महीने के अंदर संगठन के लोगों से वार्ता कर और सभी मंडल में बैठक कर नई कार्यकारिणी का गठन करेंगे। हाल ही में विधानसभा व जिला स्तर पर पदाधिकारी बनाए गए हैं। संगठन को गांव-गांव तक ले जाने पर भी काम शुरू हो गया है। जल्द ही संगठन पूरी तरह से तैयार हो जाएगा। उधर आम आदमी पार्टी (आप) ने लोकसभा चुनाव से पहले निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष और महासचिव पर ही भरोसा जताया है। लेकिन पदाधिकारियों के सामने करीब डेढ़ साल से प्रदेश में निष्क्रिय पड़े संगठन को फिर से तैयार करना बड़ी चुनौती है। लंबे समय से प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक का संगठन भंग होने से कार्यकर्ताओं में मायूसी है, ऐसे में उनमें जोश भरकर चुनाव में उपस्थिति दर्ज कराना चुनौतीपूर्ण होगा। आप का प्रदेश संगठन जुलाई 2022 से भंग चल रहा है। लेकिन प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह कार्यक्रम कर रहे थे। हाल में उनकी गिरफ्तारी के बाद पार्टी ने पहले के पदाधिकारियों पर ही भरोसा दिखाया है। पर संजय सिंह की गैरमौजूदगी के बीच लोकसभा चुनाव की तैयारी को गति देना बड़ी चुनौती होगी। नए प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह व महासचिव दिनेश पटेल को चुनाव के लिहाज से जमीनी स्तर तक संगठन तैयार करना होगा। एक तरफ जहां सभी पार्टियां पूरी तरह से चुनावी मोड में आ चुकी हैं, वहां अभी पार्टी को प्रदेश में पहले पदाधिकारी चुनने और फिर चुनावी प्रक्रिया को गति देनी है।

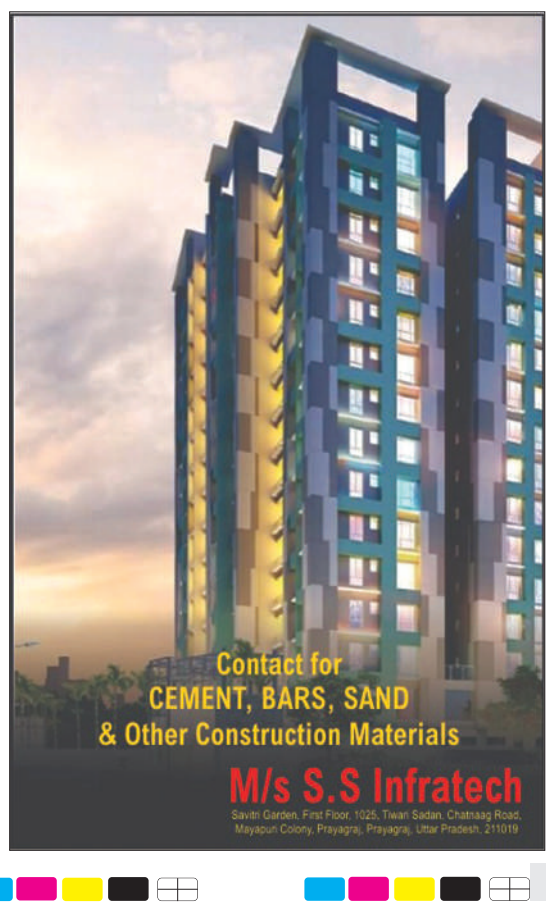

पांच राज्यों में मुस्लिम वोट होंगे निर्णायक

मप्र में 22 सीट पर अल्पसंख्यक समुदाय के वोट अहम साबित हो सकते है

» 2018 में कमलनाथ ने की थी अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों में कई सीटों पर मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका निभाएंगे। इसी के मद्देनजर राजनीतिक दल इन मतदाताओं को रिझाने की योजना बना रहे हैं। भाजपा अपने स्तर परअल्पसंख्यों के लिए योजनाएं बना रही है तो कांग्रेस हर जनसभा में उनके लिए वादे कर रही है। दरअसल मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस की द्विदलीय राजनीति में मुस्लिम वोट का कारक भले ही उत्तर प्रदेश और बिहार जितना महत्व नहीं रखता, लेकिन अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में कांटे की टक्कर होने की स्थिति में कम से कम 22 सीट पर इस अल्पसंख्यक समुदाय के वोट अहम साबित हो सकते हैं।

कांग्रेस से संबंध रखने वाली मध्यप्रदेश मुस्लिम विकास परिषद के समन्वयक ने कहा कि 2018 के विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी का मत प्रतिशत कम से कम तीन से चार प्रतिशत बढ़ा, जिसके कारण वह भाजपा से थोड़ा आगे निकल गई। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के प्रमुख कमलनाथ ने 2018 में कहा था कि अगर 90 फीसदी अल्पसंख्यक वोट पार्टी के पक्ष में आते हैं तो पार्टी सरकार बना सकती है।

2018 में कमलनाथ की अपील पर अल्पसंख्यकों के वोट कांग्रेस को मिले और इसका परिणाम यह हुआ कि पार्टी की झोली में 10-12 सीट और जुड़ गईं, जिन्हें पार्टी 2008 और 2013 में जीतने में विफल रही थी। पूर्ववर्ती चुनाव में भाजपा का मत प्रतिशत (41.02 प्रतिशत) कांग्रेस से (40.89 प्रतिशत) से थोड़ा अधिक रहा था, लेकिन कांग्रेस 230 सीट में 114 सीट पर जीत हासिल कर सबसे अधिक सीट हासिल करने वाली पार्टी बनी थी, जबकि भाजपा को 109 सीट मिली थीं। इसके बाद कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और निर्दलीय विधायकों के समर्थन से सरकार बनाई थी, लेकिन कुछ विधायकों के दल बदल लेने के कारण 15 महीने बाद यह सरकार गिर गई थी। माहिर ने कहा, मध्य प्रदेश में जब मतदाता भाजपा से नाराज होते हैं, तो वे कांग्रेस सरकार को चुनते हैं और इसी प्रकार कांग्रेस से मतदाताओं के नाराज होने पर भाजपा की सरकार बनती है।

फायर ब्रांड नेता राजा को तेलंगाना से टिकट

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तेलंगाना के अपने विधायक टी. राजा सिंह का निलंबन रद्द कर दिया है और उन्हे आगामी विधानसभा चुनाव के लिए एक बार फिर गोशमहल सीट से टिकट दिया गया है। भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने रविवार को एक बयान मे सिंह का निलंबन रद्द करने की जानकारी दी। राजा सिंह को एक सोशल मीडिया मंच पर अपलोड किए गए वीडियो मे इस्लाम और पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणियो के बाद पिछले साल अगस्त मे पार्टी से निलंबित कर दिया गया था। इस वीडियो को बाद मे सोशल मीडिया मंच से हटा दिया गया था। उन्हे एहतियान हिरासत (पीडी) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने नवंबर 2022 मे उनके खिलाफ लगाए गए पीडी अधिनियम को रद्द कर दिया था और बाद मे उन्हे जमानत मिल गई थी। किशन रेड्डी ने बयान मे कहा, भाजपा की केंद्रीय अनुशासन समिति ने पार्टी द्वारा दिए गए कारण बताओ नोटिस के जवाब मे गोशमहल से विधायक टी राजा सिंह के स्पष्टीकरण पर विचार करने के बाद भाजपा से उनका निलंबन रद्द करने का निर्णय लिया है। यह सभी संबंधित लोगो की जानकारी के लिए है। सिंह ने वीडियो संदेश मे अपना निलंबन वापस लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, महासचिव बी.एल. संतोष, केंद्रीय मंत्री तथा भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष किशन रेड्डी और राज्य के अन्य नेताओ को धन्यवाद दिया। सिंह को उनकी गोशमहल सीट से पुनः टिकट दिया गया है। तेलंगाना मे 30 नवंबर को चुनाव होना है। सिंह ने एक्स पर लिखा, आगामी विधानसभा चुनाव के लिए मुझे गोशमहल सीट से भारतीय जनता पार्टी का उम्मीदवार बनाने के लिए मै भाजपा नेतृत्व के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। उन्होने कहा कि वह पार्टी के निर्देशो के अनुसार चुनाव प्रचार करेंगे। राजा सिंह को उनके हिंदूवादी विचारो के लिए जाना जाता है। उनके खिलाफ हैदराबाद मे कई मामले दर्ज है, जिनमे कथित सांप्रदायिक अपराधो से संबंधित मामले भी है।

राज्य में मुस्लिम आबादी 9-10 फीसदी

वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक, मध्य प्रदेश मे मुस्लिम आबादी सात फीसदी है जो अब संभवतः 9-10 फीसदी होनी चाहिए। मुस्लिम वोट 47 विधानसभा सीटो पर अहम है लेकिन 22 क्षेत्रो मे वे निर्णायक कारक है। उन्होने बताया कि इन 47 सीट पर मुस्लिम मतदाताओ की संख्या 5,000 से 15,000 के बीच है, जबकि 22 विधानसभा क्षेत्रो मे इनकी संख्या 15,000 से 35,000 के बीच है। उन्होने कहा, इसका मतलब है कि कांटे की टक्कर की स्थिति मे 22 सीट पर मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका मे है। इन सीट मे भोपाल की तीन, इंदौर की दो, बुरहानपुर, जावरा और जबलपुर समेत अन्य क्षेत्रो की सीट शामिल है। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष और भाजपा प्रवक्ता सांवर पटेल ने चुनावी राजनीति मे मुस्लिम भागीदारी पर बात करते हुए कांग्रेस पर अल्पसंख्यको को धोखा देने का आरोप लगाया। पटेल ने कहा, कांग्रेस राज्य मे दो उम्मीदवार उतारकर (मुसलमानो के) 90-100 प्रतिशत मत चाहती है, भले ही उसने राज्य मे अपने शासन के 53 वर्ष मे (2003 तक) मुस्लिम समुदाय के लिए कुछ नही किया। उन्होने कहा कि भाजपा ने न केवल अल्पसंख्यक समुदाय के उम्मीदवारो को टिकट दिया है, बल्कि मुसलमानो की सामाजिक-आर्थिक वृद्धि भी सुनिश्चित की है। उन्होने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता मे थी तब वे पिछड़े हुए थे। वरिष्ठ पत्रकार गिरजा शंकर ने कहा कि उत्तर प्रदेश एवं बिहार की तरह मुस्लिम वोट मध्य प्रदेश की राजनीति को खास प्रभावित नही करेंगे, लेकिन बुरहानपुर, आष्टा, रतलाम और इंदौर मे अल्पसंख्यक मतदाता प्रभावशाली है और जहां तक उनके वोट की सघनता का सवाल है, तो भोपाल एक अपवाद है। मध्य प्रदेश मे 17 नवंबर को मतदान होगा और तीन दिसंबर को मतगणना होगी।

अब अपना दल (एस) भी होगी जातीय जनगणना पर मुखर

जातिगत जनगणना के मुद्दे पर सहयोगियों के समर्थन से बढ़ा सकती हैं भाजपा की मुश्किलें

» जातिगत जनगणना का हमेशा से रहा पार्टी का मेन एजेंडा

» 4 नवंबर को अयोध्या में होना है अपना दल (एस) का 29वां स्थापना दिवस कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार की नीतीश-तेजस्वी सरकार द्वारा जातिगत जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक करने के बाद पूरे देश में जातिगत जनगणना का मुद्दा जोर पकड़ता जा रहा है। लगातार जातगित जनगणना के मुद्दे की बढ़ती चर्चा को देखकर ये तो तय है कि आगामी लोकसभा चुनाव में जातिगत जनगणना का मुद्दा एक बड़ा मुद्दा बन सकता है। ये ऐसा मुद्दा होगा जिसपर सभी दल अपने-अपने दांव लगाएंगे। क्योंकि भाजपा इस मुद्दे पर अब तक खामोश ही नजर आ रही है, जबकि अन्य दल इस मुद्दे को पूरी तरह से भुनाने में जुटे हैं। कांग्रेस तो अपने शासन वाले राज्यों में जातगित जनगणना कराने के वादे तक कर रही है। वहीं जिन राज्यों में चुनाव में होने हैं उनमें सत्ता में आने पर जातिगत जनगणना के दावे भी कर रही है।

अन्य राज्यों की तरह अब उत्तर प्रदेश में भी जातिगत जनगणना का मुद्दा जोर पकड़ता जा रहा है। यूपी में विपक्षी दल जैसे की समाजवादी पार्टी, बसपा और कांग्रेस तो जातगित जनगणना की मांग कर ही रहे हैं, लेकिन इसके साथ-साथ अब प्रदेश में भाजपा के सहयोगी दल भी जातिगत जनगणना का राग अलापने लगे हैं। ऐसे में संभव है कि इन सहयोगी दलों का जातिगत जनगणना को समर्थन देना भाजपा की आगामी लोकसभा चुनाव में चिंताएं बढ़ा सकता है। क्योंकि विरोधी दलों के अलावा ओपी राजभर और निषाद जैसे नेता भी जातगित जनगणना का समर्थन कर चुके हैं। हालांकि, अभी तक भाजपा इस मामले में किसी भी दबाव में नहीं आने की बात करती रही है। जातीय जनगणना के मुद्दे पर पार्टी का स्टैंड समाज को नहीं बांटने देने का रहा है। वहीं, अब एनडीए के प्रमुख सहयोगी भी इस मांग को उठाने की तैयारी में हैं। एनडीए में भाजपा की प्रमुख सहयोगी पार्टी अपना दल (एस) जातीय जनगणना के मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाने की तैयारी में है। 4 नवंबर को अपना दल (एस) का अयोध्या में 29वां स्थापना दिवस कार्यक्रम मनाया जाना है। ऐसे में संभावना इस बात की है कि हिंदुत्व के महत्वपूर्ण केंद्र अयोध्या से अनुप्रिया पटेल जातीय जनगणना के मुद्दे को छेड़ने की तैयारी में हैं। वे इस कार्यक्रम के जरिए पार्टी के मुख्य एजेंडे को चुनावी मैदान में लाने की तैयारी में हैं। अनुप्रिया पटेल की ओर से पार्टी के प्रमुख एजेंडे को जोरदार तरीके से उठाए जाने की तैयारी है। सूत्रों का दावा है कि अपना दल (एस) नेतृत्व ने जाति-आधारित जनगणना की मांग को बढ़ाने के लिए आम सहमति बनाई है। वर्ष 1995 में सोनेलाल पटेल की ओर से पार्टी की स्थापना के बाद जातीय जनगणना मुख्य एजेंडे में हुआ करती थी। अपना दल (एस) के एक सीनियर नेता ने कहा कि ओबीसी और दलितों को मिलने वाला लाभ उन्हें तभी मिलेगा, जब उनकी वास्तविक आबादी ठीक से निर्धारित की जाएगी। उन्होंने पुष्टि की कि पार्टी कार्यकर्ताओं को फिर से याद दिलाया जाएगा कि पटेल कैसे जनसंख्या के आधार पर संसाधनों के विभाजन के समर्थक थे। पार्टी ने अपने सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों को उस दिन अधिकतम संभव कार्यकर्ताओं और समर्थकों को अयोध्या आने का आह्वान किया है।

हिंदुत्व का मुद्दा भी उठाने की तैयारी

पार्टी के रणनीतिक फॉर्मूलेशन से जुड़े एक वरिष्ठ अपना दल (एस) नेता का कहना है कि स्थापना दिवस पर मुद्दे को उठाए जाने से पार्टी को अपना संदेश दूर-दूर तक भेजने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अपना दल अपने प्रमुख कुर्मी मतदाताओं के बीच अपनी स्थिति मजबूत करने का लक्ष्य बना रहा है, जिनकी अयोध्या क्षेत्र और उसके आसपास अच्छी- खासी उपस्थिति है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में अपने प्रमुख समारोह आयोजित करके अपने राजनीतिक पदचिह्नों को मजबूत करने का फैसला किया है। हाल ही में पार्टी ने 17 अक्टूबर को डॉ. सोनेलाल पटेल की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रतापगढ़ में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया था। विशेषज्ञों का कहना है कि अपना दल (एस) का रुख संभावित रूप से भाजपा के विपरीत है। पार्टी जातिगत रेखाओं से ऊपर उठकर अयोध्या और उससे जुड़े हिंदुत्व के मुद्दे को उठाने की तैयारी कर रही है।

राजभर और निषाद भी कर रहे हैं मांग

अपना दल (एस) के साथ-साथ सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और निषाद पार्टी की ओर से जातीय जनगणना की मांग की जाती रही है। ओम प्रकाश राजभर और संजय निषाद जातीय जनगणना की मांग कर चुके हैं। ओम प्रकाश राजभर सामाजिक न्याय समिति की सिफारिश का हवाला दे रहे हैं, जिसने 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले 2018 में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इलाहाबाद हाई कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस राघवेंद्र कुमार की अध्यक्षता में समिति का गठन योगी आदित्यनाथ सरकार की ओर से किया गया था। कमिटी की ओर से ओबीसी कोटा के विभाजन की जांच की गई। बिहार जैसे कुछ अन्य राज्यों ने भी इस प्रकार की जांच हुई थी।

भाजपा को एससी और एसटी समुदायों के हितों के जरिए घेरने की तैयारी

दरअसल, ओपी राजभर भी राजभर और भर जैसी ओबीसी उपजातियों को एसटी श्रेणी में शामिल करने की मांग कर रहे हैं। निषाद भी मछुआरों और नाविकों को एससी समुदाय में शामिल करने की मांग उठाते रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि जातीय जनगणना के मुद्दे के राजनीतिक तूल पकड़ने के बाद सत्तारूढ़ भाजपा ने सावधानी से कदम उठाने की कोशिश की है। सपा, कांग्रेस और बसपा सहित कई विपक्षी दलों ने भाजपा को घेरने की कोशिश की। एससी और एसटी समुदायों के हितों के मुद्दे पर सत्तारूढ़ दल को घेरने का प्रयास किया जा रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

इंडिया गठबंधन को बंद करनी होगी जूतम-पैजार!

2024 के लोकसभा चुनाव में अभी लगभग 5 से 6 महीने का समय बाकी है। लेकिन लोकसभा चुनावों में भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए बने विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में लोकसभा चुनावों से पहले ही खींचतान शुरू हो गई है। जबकि अभी तो सीट बंटवारे की बात भी नहीं हुई है। ये खींचतान भी शुरू हुई है इंडिया गठबंधन के दो प्रमुख दल कांग्रेस और सपा के बीच। वजह है मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव। क्योंकि सपा चाहती थी कि मध्य प्रदेश में उसे ज्यादा सीटें दी जाएं, जबकि कांग्रेस इस बात पर राजी नहीं हुई। अब इसी को लेकर दोनों दलों के बीच घमासान जारी है। इस दौरान यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय और सपा प्रमुख के बीच बयानवाजी कुछ ज्यादा ही तल्ख हो गई। हालांकि, अब ऐसा सुनने में आया है कि दोनों पार्टियों के आलाकमानों यानी कि अखिलेश यादव और राहुल गांधी के बीच कुछ बात हुई है। जिसके बाद ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि मसला हल हो सकता है। लेकिन सवाल ये ही उठता है कि अभी लोकसभा चुनावों में कुछ समय बाकी है। लेकिन अगर अभी से ही इंडिया गठबंधन में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप और एक दूसरे पर ही बयानवाजी की जाएगी, तो इसका नुकसान जाहिर है कि लोकसभा चुनावों में ही पड़ेगा।

दूसरी बात कि ऐसे झगड़ों और कहासुनी का फायदा भाजपा भी उठाना चाहेगी। तो वहीं लोकसभा चुनाव के लिए तो इन विपक्षी दलों का साथ आना, मगर विधानसभा चुनावों में एक-दूसरे के खिलाफ प्रत्याशी उतारने का फैसला भी लोगों के बीच वो विश्वास पैदा नहीं कर पाएगा। क्योंकि एक ओर आप एक साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि वहीं दूसरी ओर आप आपस में ही भिड़ रहे हैं। ऐसे में जनता के बीच इंडिया गठबंधन को लेकर विश्वास कम हो जाएगा। जिसका फायदा निश्चित तौर पर भारतीय जनता पार्टी को मिलेगा। इसीलिए अगर लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को वाकई में भाजपा का डटकर मुकाबला करना है और सत्ता में आने के लिए जद्दोजेहद करनी है, तो गठबंधन के सभी दलों को पहले अपने आपसी मतभेदों को दूर करना होगा। साथ ही आपसी शंकाओं को भी समय रहते मिटाना होगा। लेकिन इंडिया गठबंधन में अभी सीट बंटवारे पर भी कोई चर्चा नहीं हुई है। जिस पर संभव ही है कि गठबंधन के अंदर मतभेद व नाराजगी हो सकती है। क्योंकि चाहे यूपी हो, बिहार हो, दिल्ली, पंजाब या पश्चिम बंगाल हो, सीट बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन में रस्साकशी होना तय है। ऐसे में गठबंधन के लिए अच्छा है कि समय रहते ही इन सभी समस्याओं का हल निकाल लिया जाए और सारी शंकाओं को दूर करके अपना स्टैंड क्लियर कर लिया जाए। इंडिया गठबंधन के सभी दलों को अपनी-अपनी जगह पर बड़ा दिल दिखाना होगा और अपनी महत्वाकांक्षाओं पर भी अंकुश लगाना होगा।

सवाल ये ही उठता है कि अभी लोकसभा चुनावों में कुछ समय बाकी है। लेकिन अगर अभी से ही इंडिया गठबंधन में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप और एक दूसरे पर ही बयानवाजी की जाएगी, तो इसका नुकसान जाहिर है कि लोकसभा चुनावों में ही पड़ेगा। दूसरी बात कि ऐसे झगड़ों और कहासुनी का फायदा भाजपा भी उठाना चाहेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिदृश्य में महंगाई की फिक्र

जयंतीलाल भंडारी

केंद्र सरकार ने कहा कि इस समय त्योहारी मौसम के दौरान आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतें स्थिर रहने की उम्मीद है। सरकार ने हाल ही में मूल्य स्थिर रखने के लिए कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इसके तहत सरकार ने अपने नियंत्रण वाले सभी उपायों का उपयोग किया है चाहे वह व्यापारिक नीति हो या स्टॉक सीमा मापदंड तय करने का पैमाना हो। सरकार का यह वक्तव्य ऐसे समय में आया जब इन दिनों हमास-इस्त्राइल युद्ध, कच्चे तेल उत्पादक देशों द्वारा तेल उत्पादन में कटौती, कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ते हुए ऊंचे स्तर पर पहुंचने तथा वैश्विक खाद्यान्न संकट से दुनियाभर में महंगाई बढ़ने का परिदृश्य दिखाई दे रहा है। यद्यपि इसी माह अक्टूबर, 2023 में प्रकाशित केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक थोक एवं खुदरा महंगाई के सूचकांक महंगाई में कमी का संकेत दे रहे हैं, लेकिन चुनौतीपूर्ण वैश्विक भूराजनीतिक व आर्थिक चुनौतियों के दौर में तेज महंगाई बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

चूंकि महंगाई शहरी मध्यम वर्ग को अधिक प्रभावित करती है, अतएव आगामी चुनावों में महंगाई के मुद्दे के मद्देनजर सरकार द्वारा महंगाई नियंत्रण सरकार की बड़ी चिंता बन गई है। यह चिंता इसलिए भी दिखाई दे रही है क्योंकि पिछले दिनों विश्व बैंक द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के साथ-साथ भारत में भी महंगाई बढ़ने की चुनौती पैदा हुई है। रिपोर्ट में वर्ष 2023-24 में भारत की खुदरा मुद्रास्फीति 5.9 फीसदी रहने का अनुमान प्रस्तुत किया गया है, पूर्व में प्रस्तुत महंगाई के अनुमान से नया अनुमान अधिक बताया गया है। हाल ही में 16 अक्टूबर को प्रकाशित थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़ों के अनुसार सितंबर, 2023 में थोक मुद्रास्फीति दर लगातार छठे महीने शून्य से नीचे घटकर सितंबर में -0.26 प्रतिशत दर्ज की गई। अगस्त महीने में थोक महंगाई दर पांच महीने के उच्च स्तर -0.52 फीसदी पर पहुंच गई थी।

पिछले माह सितंबर में रासायनिक उत्पादों, खनिज तेल, कपड़ा, बुनियादी धातुओं और खाद्य उत्पादों की कीमतों में गिरावट थोक महंगाई के कम होना प्रमुख कारण है। ज्ञातव्य है कि थोक मूल्य सूचकांक थोक में बेचे और

कारोबार किए गए सामानों की कीमतों में बदलाव का मूल्यांकन करता है। इसी तरह देश में खुदरा महंगाई में भी कमी आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के अनुसार जुलाई, 2023 में जो खुदरा महंगाई दर 15 महीने के उच्चतम स्तर 7.44 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, वह अगस्त, 2023 में घटकर 6.8 फीसदी और सितंबर में 5.02 फीसदी के स्तर पर आ गई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में यह कमी इस बार सूचकांक से तय होने वाली इस दर में अनाज, सब्जी, परिधान, फुटवियर, आवास एवं सेवाओं की कीमतों में आई गिरावट की वजह से हुई है। गौरतलब है कि 6 अक्टूबर को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लगातार चौथी बार नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का निर्णय लिया है। खुदरा महंगाई के तय दायरे से अधिक होने के कारण रिजर्व बैंक ने यह फैसला लिया है। दरअसल, जब महंगाई ज्यादा होती है तो आरबीआई रेपो रेट बढ़ाकर अर्थव्यवस्था में मुद्रा प्रवाह को कम करने की रणनीति अपनाता है। नि:संदेह इस समय देश में महंगाई को लेकर चुनौतियां मुंह बाएं खड़ी हैं। पिछले माह सितंबर के दौरान ज्यादातर समय कच्चे तेल का दाम 90 डॉलर प्रति बैरल से अधिक रहा है। अब ये और बढ़ कर 94 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर है। चूंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरत का करीब 80 फीसदी आयात करता है, अतएव वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के तेजी से बढ़ते हुए मूल्यों के कारण महंगाई बढ़ने की आशंका है। जहां दुनिया के बाजारों में गेहूं, दाल और चावल की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं, वहीं चीनी की कीमतें तो 12 साल की रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं। इसी माह अक्टूबर, 2023 में त्योहारी मांग बढ़ने से गेहूं, अरहर की दालों व अन्य खाद्यान्नों के दाम बढ़ने लगे है।

यह भी उल्लेखनीय है कि 18 अक्टूबर को सरकार द्वारा प्रकाशित खाद्यान्न उत्पादन आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2022-23 में गेहूं का उत्पादन अनुमानित लक्ष्य से 20 लाख टन घटकर 11.05 करोड़ टन रहेगा, दालों का उत्पादन पिछले वर्ष 2.7 करोड़ टन से घटकर 2.6 करोड़ टन और चावल का उत्पादन भी घटकर 13.57 करोड़ टन होने का अनुमान है। ऐसे में गेहूं और दालों की कीमतें बढ़ने की आशंकाएं सामने हैं। नि:संदेह, देश में बढ़ती कीमतों के कारण बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार और आरबीआई कई प्रयासों के साथ आगे बढ़े हैं।

जीत के लिए महत्वपूर्ण युवा और महिला मतदाता

उमेश चतुर्वेदी

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। राजनीतिक दलों का सियासी जोड़-घटाव में जुटना स्वाभाविक है। लेकिन चुनाव आयोग के आंकड़ों पर भरोसा करें तो इन चुनावों में सबसे अहम भूमिका युवा मतदाताओं की होने जा रही है। माना जा रहा है कि जिन्होंने युवाओं को साध लिया, जीत उसके हाथ लगने की संभावना ज्यादा है। इसकी वजह है, इन राज्यों में नए वोटर बने कुल मतदाताओं की संख्या। पांचों राज्यों में करीब साठ लाख वोटर पहली बार मतदान करने वाले हैं। जाहिर है कि उनमें पहली बार वोट डालने का उत्साह है और वे अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग भी पूरे उत्साह से करेंगे। चुनाव वाले इन राज्यों में जनसंख्या के लिहाज से सबसे बड़ा राज्य मध्य प्रदेश है। यहां सर्वाधिक 22 लाख 36 हजार नए वोटर बने हैं व 230 विधानसभा सीटें हैं। औसतन हर सीट पर करीब 9722 नए वोटर होंगे। लेकिन प्रति सीट नए वोटर के लिहाज से राजस्थान की स्थिति मध्य प्रदेश से बेहतर है। राजस्थान विधानसभा चुनावों में पहली बार करीब 22 लाख चार हजार वोटर वोट डालने जा रहे हैं। राज्य की 200 विधानसभा सीटों के लिहाज से देखें तो हर सीट पर करीब 11020 नए वोटर होंगे। इसी तरह छत्तीसगढ़ में सात लाख तेईस हजार नए वोटर बने हैं जिनका प्रति सीट औसत आठ हजार तैंतीस है।

नए वोटरों के रुझान और उसके सियासी प्रभावों से पहले तीनों राज्यों में महिला वोटरों की संख्या पर ध्यान दिया जाना चाहिए। वजह यह कि पिछले कुछ चुनावों से महिलाओं के मतदान का रुझान अपने परिवारों से कुछ अलग नजर आया है। पहले माना जाता रहा कि परिवार के पुरुष मुखिया के वैचारिक रुझान के हिसाब से ही महिलाएं भी वोट देती रही हैं। लेकिन अब महिलाएं अपनी पसंद से वोट डालने लगी हैं। साल 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी की जीत के पीछे महिलाओं और युवा वोटरों का साथ माना गया था।

छत्तीसगढ़ में पुरुष वोटरों की तुलना में महिला वोटरों की संख्या ज्यादा है। यहां एक करोड़ एक लाख पुरुष वोटरों की तुलना में महिला वोटरों की संख्या एक करोड़ दो लाख है। जाहिर है, हर सीट पर करीब 1111 महिला वोटर पुरुष वोटरों की निस्बत ज्यादा हैं। हालांकि मध्य प्रदेश और राजस्थान में ऐसी स्थिति नहीं है। राजस्थान में दो करोड़ 74 लाख वोटरों के सामने करीब दो करोड़ 52 लाख ही महिला वोटर हैं। इसी तरह मध्य प्रदेश के दो करोड़ 88 लाख पुरुष वोटरों के अनुपात में महिला वोटरों की संख्या दो करोड़ 72 लाख ही है। इन आंकड़ों पर फौरी निगाह डालने की जरूरत विगत के मतदान में युवा और महिला वोटरों की भागीदारी के रुझान के चलते है। दोनों वर्गों के मतदाताओं ने जिसे चाहा, जीत उसे ही हासिल हुई। विगत के हिमाचल चुनावों में महिलाओं ने कांग्रेस को ज्यादा समर्थन दिया, जिसकी वजह से कांग्रेस को भाजपा के मुकाबले कुल 36 हजार से कुछ ज्यादा मत मिले और वह जीतने में कामयाब रही। कुछ ऐसी ही स्थिति कर्नाटक में भी रही। वहां के स्थानीय मुद्दों खासकर पांच गारंटी और महंगाई ने महिलाओं और युवाओं को ज्यादा लुभाया। इस लिहाज से, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनावों में भी महिला और युवा वोटर बड़ी भूमिका निभाने जा रहे हैं। शायद यही वजह कि तीनों राज्यों के दोनों प्रमुख प्रतिद्वंद्वी दलों की कोशिश महिलाओं व युवाओं को रिझाने की है। महिला सम्मान निधि और युवाओं को बेरोजगारी भत्ता आदि देने के जो दनादन वायदे किये जाते रहे, उसकी वजह यही रही।

साल 1989 के चुनावों के पहले तत्कालीन राजीव सरकार ने युवाओं के मतदान के लिए उम्र सीमा को 21 से घटाकर 18 साल कर दिया था। राजीव को उम्मीद थी कि उन्हें युवाओं का साथ मिलेगा। साल 2014 के ठीक पहले सचिन तेंदुलकर को भारत रत्न देने के पीछे तत्कालीन कांग्रेस सरकार की सोच सचिन को सम्मानित करने के साथ ही इसके जरिये युवाओं में पैठ बनाने की थी। हालांकि दोनों ही बार कांग्रेस का दांव नाकाम रहा। चुनावी पंडित मानते हैं कि राजीव की हार में नए बने करोड़ों वोटरों ने बड़ी भूमिका निभाई थी। हाल के वर्षों में महिलाओं ने जिस तरह खुलकर अपनी पसंद के हिसाब से मतदान करना शुरू किया है, वह छुपा नहीं है।

साल 2020 के बिहार विस चुनावों में विपरीत हालात के बाद नीतीश को जीत मिली, उसकी बड़ी वजह महिलाओं का समर्थन रहा। इसी तरह 2022 के उत्तर प्रदेश विस चुनावों में योगी सरकार को महिलाओं ने खूब समर्थन दिया। पश्चिम बंगाल में ममता के साथ महिला वोटर पूरे दम से खड़ी रहीं। इन चुनावों के नतीजे सामने हैं। इस लिहाज से राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनावी नतीजों का दारोमदार महिलाओं पर ही होगा। छत्तीसगढ़ में तो महिलाएं पुरुषों के मुकाबले ज्यादा ही हैं, इसलिए वहां तो साफ लग रहा है कि जिधर महिलाएं गईं, उसी के नेता के सिर ताज होगा। उनके वोटों में अगर युवाओं का साथ मिल गया तो उस दल के लिए वह सोने पर सुहागा ही होगा। बहरहाल, तीनों राज्यों में चुनावी तापमान धीरे-धीरे बढ़ रहा है। ऐसे में तीनों राज्यों के मैदान में सियासी छक्का लगाने के लिए उतरने वाले दल अपने-अपने हिसाब से महिलाओं और युवाओं को लुभाने की कोशिश करेंगे ताकि बाजी उनके ही हाथ लगे।

कम पैसों में घूमना है विदेश तो करें इन देशों की यात्रा

कई ऐसे देश हैं, जहां के नजारे बहुत ही अद्भुत अनुभव का एहसास कराते हैं। घूमने का शौक रखने वाले अधिकतर भारतीय विदेश यात्रा का सपना देखते हैं। हालांकि विदेश जाने के लिए अधिक व्यय की चिंता, वीजा और अन्य दस्तावेजों की उलझन के कारण इस सपने को पूरा करने से वंचित भी रह जाते हैं। लेकिन कई ऐसी विदेशी जगहें हैं, यहां भारतीयों को सस्ते में सफर का लुत्फ उठाने को मिल सकता है। भारतीय यात्रियों के लिए कुछ सबसे सस्ते देश हैं, जो बजट में यात्रा का मौका देते हैं और विदेश यात्रा का बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

श्रीलंका

भारत के नजदीकी देशों में श्रीलंका का नाम शामिल है, जहां पर्यटक आसानी से घूमने जा सकते हैं। भारतीय यात्रियों के लिए श्रीलंका एक और सस्ता विकल्प हो सकता है, जहां प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक स्थल, और सुखद खाना उपलब्ध है। श्रीलंका को मनोरोगरी यानी मणि का देश के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि यह रत्नों का एक प्रमुख उत्पादक है। अगर आप अब कम पैसों में घूमने की योजना बना रहे हैं, तो श्रीलंका आपके लिए एक आकर्षक गंतव्य साबित हो सकता है।

इंडोनेशिया

इंडोनेशिया के द्वीप राज्य बाली और लोम्बोक को भी भारतीय पर्यटक कम पैसों में घूम सकते हैं। इंडोनेशिया के समुद्र तट, सुंदर पर्वत और प्राकृतिक नजारे यात्रियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इंडोनेशिया की अपनी बहुत बड़ी टैक्सी सेवा है इसे इस्तेमाल करने के लिए आपको किसी सिम की जरूरत नहीं है। एयरपोर्ट के वाईफाई से कनेक्ट करें। सिर्फ 20-70 रूपए में ड्राइवर आपको खुद आपको मंजिल तक पहुंचा देगा।

थाईलैंड

हर साल अधिकतर भारतीय पर्यटक थाईलैंड की यात्रा पर जाते हैं। थाईलैंड घूमने में अधिक पैसे व्यय नहीं करते पड़ते। विदेश की बजट यात्रा के लिए थाईलैंड एक लोकप्रिय गंतव्य है, जो पर्यटकों को अपनी खूबसूरत सौंदर्य, खास खाना, और धार्मिक स्थलों के लिए आकर्षित करता है। भारतीयों के लिए थाईलैंड से खूबसूरत कोई बीच पास में नहीं है। नजदीक होने के कारण भी भारतीय थाईलैंड को खूब पसंद करते हैं। भारत के साथ थाईलैंड का सांस्कृतिक रिश्ता भी है। थाईलैंड के लोग बौद्ध धर्म का पालन करते हैं। ऐसे में भारत थाईलैंड के लिए कोई अजनबी देश नहीं है। दक्षिण-पूर्वी एशिया में इंटर करने के लिए थाईलैंड प्रमुख देश है। थाईलैंड के ज़रिए पूरे उपद्वीप को सस्ते में घूमा जा सकता है।

वियतनाम

वियतनाम भी सस्ते यात्रा के लिए मान्यता प्राप्त कर रहा है, और यहां पर्यटक ऐतिहासिक स्थल, खास खाना, और गर्मी में समुच्चय का आनंद ले सकते हैं।

नेपाल

नेपाल भारतीय यात्रियों के लिए बजट यात्रा का एक शानदार विकल्प हो सकता है। यहां के प्राकृतिक सौन्दर्य, पर्वत, तीर्थ स्थल, और अनुभवों के लिए प्रसिद्ध है। नेपाल की मुद्रा भारतीय रुपए से कम होती है। इसके अलावा नेपाल के लिए वीजा की जरुरत नही होती। नेपाल की राजधानी काठमांडू से सफर की शुरुआत करें। इस शहर में पूरे साल ठंड रहती है। गर्मियों के मौसम में काठमांडू घूमने के लिए बेहतरीन जगह है। यहां पर कई मठ और मंदिर हैं, जहां आप आध्यात्मिक और प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले सकते हैं।

हंसना मना है

पप्पू- मेरे बाप के आगे बड़े-बड़े लोग कटोरी लेके खड़े होते है, लड़की- अच्छा! कौन है तुम्हारा बाप? पप्पू- पानी पूरीवाला।

पप्पू बहूत देर से एक लड़की को घुर रहा था, लड़की- तेरे घर में मां बहन नहीं है क्या? पप्पु - है न तभी तो देख रहा हुं, क्योंकि मां को बहू और बहन को भाभी चाहिए।

एक लड़का पार्क में पेड़ के पीछे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ खड़ा था, एक वृद्ध आदमी पास से गुजरा और बोला- बेटे क्या यह हमारी संस्कृति है? लड़का- नहीं अंकल, यह तो मल्होत्रा अंकल की टीना है, आप दुसरे पेड़ के पीछे चेक कीजिए शायद वहां हो।

खैरियत पूछने का जमाना गया साहिब, आदमी ऑनलाइन दिख जाये तो समझ लेना सब ठीक है.. भगवान हम सबको ऑनलाइन रखे।

जरुरत से ज्यादा भगवान को याद मत किया करो क्योंकि, किसी दिन भगवान ने याद कर लिया तो, लेने के देने पड़ जायेंगे।

तुम ही हो मेरे आंखों के तारे, तुम ही हो मेरे जीने के सहारे, बहुत परेशान हूं मै मेरे यार, उधारी के पैसे चूका दो सारे।

कहानी | बुढ़िया की सुई

एक बार किसी गांव में एक बुढ़िया रात के अंधेरे में अपनी झोपड़ी के बहार कुछ खोज रही थी। तभी गांव के ही एक व्यक्ति की नजर उस पर पड़ी, अम्मा इतनी रात में रोड लाइट के नीचे क्या ढूंढ रही हो, व्यक्ति ने पूछा। कुछ नहीं मेरी सुई गुम हो गयी है बस वही खोज रही हूं, बुढ़िया ने उत्तर दिया। फिर क्या था, वो व्यक्ति भी महिला की मदद करने के लिए रुक गया और साथ में सुई खोजने लगा। कुछ देर में और भी लोग इस खोज अभियान में शामिल हो गए और देखते-देखते लगभग पूरा गांव ही इकट्ठा हो गया। सभी बड़े ध्यान से सुई खोजने में लगे हुए थे कि तभी किसी ने बुढ़िया से पूछा, अरे अम्मा! ज़रा ये तो बताओ कि सुई गिरी कहां थी? बेटा, सुई तो झोपड़ी के अन्दर गिरी थी, बुढ़िया ने जवाब दिया। ये सुनते ही सभी बड़े क्रोधित हो गए और भीड़ में से किसी ने ऊंची आवाज में कहा, कमाल करती हो अम्मा, हम इतनी देर से सुई यहां ढूंढ रहे हैं जबकि सुई अन्दर झोपड़े में गिरी थी, आखिर सुई वहां खोजने की बजाये यहां बाहर क्यों खोज रही हो? क्योंकि रोड पर लाइट जल रही है। इसलिए बुढ़िया बोली।

शिक्षा-मित्रों, शायद ऐसा ही आज के युवा अपने भविष्य को लेकर सोचते हैं कि लाइट कहां जल रही है वो ये नहीं सोचते कि हमारा दिल क्या कह रहा है, हमारी सुई कहां गिरी है। हमें चाहिए कि हम ये जानने की कोशिश करें कि हम किस फील्ड में अच्छा कर सकते हैं और उसी में अपना करीयर बनाएं ना कि भेड़ चाल चलते हुए किसी ऐसी फील्ड में घुस जाएं जिसमें बाकी लोग जा रहे हों या जिसमे हमें अधिक पैसा नजर आ रहा हो।

7 अंतर खोजें

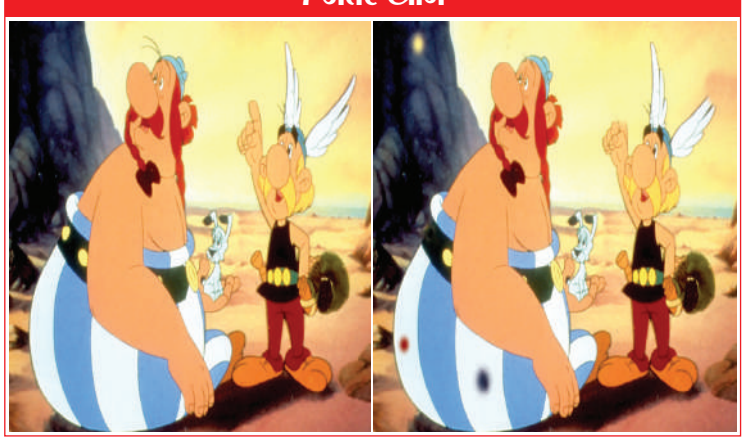

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपकी जिम्मेदारियां बढ़ने वाली हैं। इसके लिए तैयार हो जाएं। ऑफिस में आप अधिकारियों के निकट रहेंगे साथ ही सहकर्मियों से किसी काम में सहयोग मिलेगा।

वृषभ

आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहेगा। आज आपको अपने किसी परिजन से कोई ऐसी सूचना सुनने को मिलेगी, जिसके कारण आप प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपके लिए कोई फैसला करना थोड़ा कठिन हो सकता है। आज आपका पैसा कहीं फंस सकता है।

कर्क

आज यदि आप वाहन खरीदने की यदि सोच रहे हैं तो यह मनोकामना पूर्ण हो सकती है। पैसों के मामले में दिन खर्चीला रहेगा। आज कुछ अनावश्यक खर्च हो सकते हैं।

सिंह

आज का दिन सुख भोग के साधनों में वृद्धि का दिन रहेगा। आज यदि आप अपने व्यापार के लिए किसी खोज को करेंगे, तो उसमें भी आप सफल होंगे।

कन्या

आज आपका दिन शानदार रहेगा। इस राशि के जो लोग समाज सेवा से जुड़े हैं, उनकी आय में बढ़ोतरी होगी। आज आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी।

तुला

दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा काफ़ी फ़ायदा पहुंचाएगी। लेन-देन और निवेश के मामलों में नई प्लानिंग करेंगे। आपकी बात से किसी का दिल दुख सकता है।

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहेगा। आज आप अपनी संतान की कुछ पिछले समय से चल रही समस्याओं को सुलझाने में व्यस्त रहेंगे।

धनु

आज का दिन बेहतर रहेगा। किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी।

मकर

व्यावसायिक मामलों में जोखिम न उठाएं। आज आप अत्यधिक संवेदनशील होते हैं, जिसकी वजह से आप दूसरों की भावनाएं भी समझ पाते हैं।

कुम्भ

आज का दिन सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। यदि आप शेयर बाजार में निवेश करने की सोच रहे हैं, तो दिल खोलकर करें। आप अपने व्यापार के लिए यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। किसी काम को करते समय आपको अपने मन को शांत रखना चाहिए। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच-समझकर लेने चाहिए।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं सुपरस्टार की हरकतों से घबराकर खुद को कमरे में बंद कर ली थी : गौहर

गौहर खान ने आज एक पॉपुलर एक्ट्रेस हैं, और फिल्मों से लेकर टीवी तक की दुनिया में काम कर चुकी हैं। पर एक्ट्रेस बनने से पहले वह एक सफल मॉडल और वीजे थीं। गौहर खान ने उन्हीं दिनों की एक घटना बताई है, जिसके कारण वह असहज हो गई थीं, और खुद को कमरे में बंद कर लिया था। यह गौहर खान ने एक सुपरस्टार की वजह से किया था। गौहर खान के मुताबिक, उस सुपरस्टार की वजह से वह बुरी तरह घबरा गई थीं। उन्होंने बताया कि तब वह सिर्फ 18 साल की थीं। हालांकि गौहर खान ने उस सुपरस्टार का नाम नहीं बताया। लेकिन इतना जरूर रिवील किया कि वह अब इस दुनिया में नहीं हैं। और वह उनके काम और एक्टिंग की काफी इज्जत करती थीं। गौहर खान से सवाल था कि क्या वीजे के दिनों में किसी ऐसे स्टार से मुलाकात हुई, जिसने नखरे दिखाए हों? तो गौहर बोलीं, वो मेरा हाथ ही नहीं छोड़ रहा था। मेरे लिए बहुत अजीब था। मैंने कैसे अपना हाथ खींचती? गौहर ने बताया कि वह पूरे इंटरव्यू उसी तरह बैठी रहीं। उनका हाथ उस सुपरस्टार के हाथों में था, और वह छोड़ने का नाम ही नहीं ले रहा था। गौहर खान ने बताया कि वह उस स्टार के टैलेंट और काम की बड़ी फैन रही हैं, और इसलिए उन्हें नाराज नहीं करना चाहती थीं। गौहर ने आगे बताया कि उनके डायरेक्टर को यह चीज समझ आ गई थी कि क्या चल रहा है। शूट खत्म होने के बाद डायरेक्टर ने गौहर खान से कमरे में जाने और अंदर से लॉक करने को कहा। गौहर को समझ नहीं आया कि ऐसा डायरेक्टर ने क्यों कहा। पर उन्होंने कमरे में जाकर खुद को बंद कर लिया। गौहर खान के मुताबिक, बाद में उन्हें पता चला कि वह सुपरस्टार डायरेक्टर से उनका नंबर मांग रहा था। पूछ रहा था कि गौहर खान कहां हैं और वह जाने से पहले उससे मिली क्यों नहीं। गौहर खान ने बताया कि वह हैरान थीं। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उनके साथ क्या हो रहा है।

ओटीटी पर छाने को तैयार कंगना रनौत की चंद्रमुखी-2

साउथ सुपरस्टार राघव लॉरेंस के लीड रोल वाली हाल ही में रिलीज हुई हॉरर फिल्म चंद्रमुखी 2 को सिनेमाघरों में दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। फिल्म में बॉलीवुड क्वीन यानी कंगना रनौत को लीड एक्ट्रेस के तौर पर देखा गया। फिल्म में कंगना की परफॉर्मेंस को काफी पसंद किया। उन्होंने अपने दमदार अंदाज से दर्शकों को खूब हैरान किया। अब खबर आई है कि इस फिल्म को सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर भी स्ट्रीम किया जाने वाला है। पी बासु के निर्देशन में बनी चंद्रमुखी 2 की अब ओटीटी रिलीज डेट का भी ऐलान हो चुका है। बता दें कि सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली लगभग सभी फिल्में कुछ ही समय के बाद ओटीटी पर दस्तक दे देती है। ऐसे में ओटीटी को लेकर लगातार दर्शकों का क्रेज बढ़ता ही जा रहा है। अब चंद्रमुखी 2 के लिए भी ओटीटी पर देखने के लिए दर्शकों को लंबा इंतजार नहीं करना होगा। कंगना रनोट और राघव लॉरेंस की हॉरर फिल्म चंद्रमुखी 2 नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने जा रही है। इसे अगले सप्ताह शनिवार, 26 अक्टूबर को रिलीज हो रही है। नेटफ्लिक्स इंडिया के आधिकारिक पेज पर इसका ऐलान भी कर दिया गया है। इसे तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिन्दी भाषाओं में स्ट्रीम किया जा रहा है। यानि अगला वीकेंड चंद्रमुखी 2 के साथ जबरदस्त होने वाला है।

बॉक्स ऑफिस पर नहीं चला पाई जादू

बता दें कि चंद्रमुखी 2 साल 2005 आई सुपरस्टार रजनीकांत की हॉरर फिल्म चंद्रमुखी का सीक्वल है। हालांकि, पिछली फिल्म की तुलना में यह बॉक्स ऑफिस पर खास प्रदर्शन में नहीं कर पाई। फिल्म से जितनी उम्मीद की जा रही थी यह उतनी कमाई नहीं कर पाई।

शाहरुख खान की डंक ने आगे बढ़ाई रिलीज डेट

पठान और जवान के बाद अब शाहरुख खान अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म डंकी को लेकर खूब चर्चा बटोर रहे हैं। पिछले लंबे समय से फैंस को फिल्म का इंतजार बना हुआ है। वहीं अब फिल्म के रिलीज डेट की ऑफिशियल अनाउंसमेंट भी मेकर्स ने कर दी है। फिल्म का पहला पोस्टर भी शेयर किया गया है।

फिल्म 21 दिसंबर 2023 को सिनमेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसी के साथ फिल्म का पहला पोस्टर भी रिलीज कर दिया गया है, जिसमें शाहरुख खान एक सोल्जर के रोल में नजर आ रहे हैं। वहीं पोस्ट के ऊपर लिखा हुआ है कि एक सोल्जर अपना वादा कभी नहीं भूलता... इसी के साथ अब शाहरुख की डंकी प्रभास की फिल्म सालार के साथ भी टकराएगी नहीं। शाहरुख खान की डंकी उनकी फिल्म जवान और पठान से बिल्कुल अलग होगी, लेकिन एक सोल्जर की कहानी ही बताएगी। डंकी में किंग खान का एक्शन अवतार फैंस को नहीं देखने को मिलने वाला है, लेकिन इसमें दर्शकों को एक ऐसी चीज दिखाई जाएगी, जो पहले किसी भी फिल्म में देखने को नहीं मिली। फिल्म की बात करें तो डंकी में शाहरुख खान के अलावा एक्ट्रेस तापसी पन्नू, दिया मिर्जा, बोमन ईरानी भी अहम किरदारों में दिखेंगे। वहीं खबरें हैं कि फिल्म में विक्की कौशल का कैमियो होगा।

अजब-गजब | क्या आपको पता है इस सवाल का सही जवाब!

हवाई जहाज के टायरों में क्यों भरी जाती हैं नाइट्रोजन गैस

कार-ट्रक या कोई और वाहन ज्यादातर टायरों में हवा भरी जाती है। लेकिन हवाई जहाज के टायरों में नाइट्रोजन गैस भरी जाती है। आखिर इसकी वजह क्या है? ऑनलाइन प्लेटफार्म कोरा पर यही सवाल पूछा गया। कई लोगों ने अपने-अपने तरह से जवाब दिए। कुछ लोगों ने बताया कि कारों में भी आजकल नाइट्रोजन गैस भरी जाती है। जी हां, यह बिल्कुल सच है। लेकिन प्लेन के टायरों में नाइट्रोजन गैस भरने की और भी वजह हैं। अजब गजब नॉलेज सीरीज में आइए जानते हैं इसके पीछे का साइंस।

एक सामान्य हवाई जहाज का वजन 200 टन से ज्यादा होता है। और जब यह रनवे पर उतरता है तो इसकी स्पीड 250 किलोमीटर प्रतिघंटे के आसपास होती है। ऐसी स्थिति में टायरों में बहुत ज्यादा घर्षण होता है। इसीलिए टायरों की सुरक्षा के लिए टायर बनाने में रबर के अलावा कुछ मात्रा में एल्यूमीनियम और स्टील भी यूज किया जाता है। हवाई जहाज के टायर 45 इंच के सिंथेटिक रबर को मिलाकर बनाया जाता है। इनमें नायलॉन और आर्मीड से बनाए गए एल्यूमीनियम स्टील को कपड़े के साथ जोड़ा जाता है। ताकि जब यह सुपर स्पीड से कंक्रीट से बने रनवे पर उतरे तो टायर फटे नहीं। इसीलिए आपने देखा होगा कि कार का टायर तो फट जाता है, लेकिन प्लेन का टायर कभी नहीं फटता। जबकि उसके ऊपर इतना ज्यादा भार होता है।

अब आते हैं कि आखिर इसमें नाइट्रोजन गैस क्यों भरी जाती है? इसकी मात्रा कितनी होती है? सबसे पहली बात, हवाई जहाज के टायर में 200 पाउंड प्रति वर्ग इंच दबाव के साथ नाइट्रोजन गैस भरी जाती है। नाइट्रोजन एक अज्वलनशील या अक्रिय गैस है। जब हवाई जहाज रनवे पर उतरता है तो बहुत ज्यादा घर्षण होता है। अगर हम टायरों में सामान्य वायु भरें तो आग लगने की संभावना बढ़ जाएगी। क्योंकि सामान्य वायु में ऑक्सीजन की मात्रा होती है, जो ज्वलनशील गैस है। इसके अलावा नाइट्रोजन पर उच्च तापमान और दबाव परिवर्तन का सामान्य हवा की तुलना में कम असर होता है। आप जानकर हैरान होंगे कि हवाई जहाज के टायर पर 900 पाउंड प्रति वर्ग इंच का दबाव भी हो,तो आसानी से सहन कर सकते हैं। टायरों में नाइट्रोजन गैस भरने का दूसरा कारण और भी खास है। नाइट्रोजन टायर में नमी नहीं बनने देता। जबकि सामान्य हवा में नमी की मात्रा होती है। हवाई जहाज 30000 फीट से ज्यादा ऊंचाई पर उड़ते हैं। इतनी ऊंचाई पर तापमान बेहद कम होता है। नमी की मात्रा ज्यादा होने पर टायर में दाब कम हो सकता है। इससे उनकी क्वालिटी खराब हो सकती है। नाइट्रोजन में इसका उल्टा है। उस पर तापमान का प्रभाव कम पड़ता है, जिससे टायर में तापमान बदलने पर भी दाब समान बना रहता है।

इस देश में ढूंढे से भी नहीं मिलते हैं सांप, हैरान कर देने वाली है वजह!

सोशल साइट कोरा पर अक्सर लोग कुछ ऐसे सवाल पूछते हैं, जिनका जवाब बहुत कम लोगों को ही पता होता है। हालांकि, उन सभी सवालों के जवाब इस प्लेटफॉर्म पर जुड़े यूजर्स ही देते हैं। यहां ऐसा ही एक सवाल पूछा गया है कि 'न्यूजीलैंड देश में कहीं भी सांपों की अनुमति नहीं देता है, क्या यह एक सही पॉलिसी है?'। जिसका जवाब पायल क्षोत्रि और पीयूष कुमार नाम के कोरा यूजर्स ने दिया है। जिन्हें पढ़ने से पता चलता है कि न्यूजीलैंड में किसी भी प्रकार के सांप रखना गैरकानूनी है। पायल क्षोत्री कोरा पर लिखती हैं कि 'न्यूजीलैंड की एंटी-स्नेक पॉलिसी भले ही जानने वालों को अजीब लगे, लेकिन उनके पास इसकी वजह है। इस द्वीप पर लगभग 1000 साल पहले इंसानों की आवाजाही शुरू हुई, इसके बाद से ही यहां पर काफी सारे जीव-जंतु कम हुए। लगभग एक तिहाई पक्षी और एक दर्जन वनस्तियां खत्म हो गईं। कई सारी प्रजातियां विलुप्त होने को हैं। इसी वजह से माना जा रहा है कि अगर सांप आए तो कई दूसरी स्पीशीज को खतरा हो सकता है। यही वजह है कि न्यूजीलैंड सांपों को लेकर इतनी सख्त पॉलिसी रखता है।'वहीं, पीयूष कुमार ने कोरा पर लिखा, 'ऐसा कोई देश नहीं है, जो जीवों, पादपों और बीजों के आयात पर कुछ न कुछ प्रतिबंध न लगाता हो। ये फैसले पर्यावरण के हितों को ध्यान में रखते हुए लिए जाते हैं। न्यूजीलैंड में भी सांप ही नहीं, वहां किसी भी प्रजाति के सांप को देश के अंदर लाने पर पाबंदी है। ऐसा भी नहीं है कि न्यूजीलैंड की परिधि में सांप है नहीं, वहां कई प्रकार के सांप समुद्र में पाए जाते हैं। द्वीपों से बने इस देश में वैसे कई जंगली जानवर पाए जाते हैं, लेकिन हैरत की बात है कि यहां भी आज तक एक भी सांप नहीं मिला, यहां भी रेप्टाइल्स के नाम पर छिपकली ही पाई जाती है। वैसे न्यूजीलैंड के आसपास समुद्र में कई तरह के सांप होते हैं, जैसे पीले रंग के सांप, समुद्री करैत। लेकिन ये भी पानी को छोड़कर कभी जमीन पर नहीं आते। इसके पीछे कोई कारण नहीं पता, लेकिन न्यूजीलैंड सरकार और लोग मानते हैं कि अब सांपों का आना उनके देश के लिए खतरा हो सकता है। यही वजह है कि अगर कभी व्यापारी जहाजों से होते हुए सांप आ भी जाएं तो उन्हें तुरंत वहां से हटा दिया जाता है ताकि वे द्वीपों पर बस न सकें।

पवित्र धार्मिक और आध्यात्मिक कार्य पर भी वोटों की राजनीति करती है बीजेपी : कमलनाथ

» शिवराज पर पलटवार, बोले- मैंने नहीं सोचा था कि आप कन्या पूजन में भी चुनावी लाभ देखेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पीसीसी चीफ कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर पलटवार करते हुए कहा कि शिवराज जी, मैंने सपने में नहीं सोचा था कि आप कन्या पूजन जैसे पवित्र धार्मिक और आध्यात्मिक कार्य पर भी वोटों की राजनीति करने लगेंगे। पीसीसी चीफ ने कहा कि अरे आपको कांग्रेस के कन्या पूजन की इतनी फिक्र है तो हमारे राष्ट्रीय नेताओं से पूछने की क्या आवश्यकता है? महानवमी के पावन दिवस पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में भी कन्या पूजन और भंडारा हुआ था, आप भी आकर प्रसाद ग्रहण कर सकते थे।

उन्होंने कहा कि छिंदवाड़ा में भी कन्याओं का पूजन पूरे विधि विधान से किया गया। आप भी आकर देवी से आशीर्वाद ले सकते थे। लेकिन आप यह सब नहीं करेंगे क्योंकि आध्यात्मिकता धर्म और परंपरा इन तीनों में आपकी आस्था नहीं है। आपकी आस्था सिर्फ वोटों की सौदेबाजी में है। मंगलवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के बयान पर कहा कि वह कन्या पूजन को नाटक नौटंकी बता रहे हैं। हजारों साल पहले से भारत में कन्याओं को देवियां मानकर उनकी पूजा करते हैं। उन्होंने कहा कि शर्म आनी चाहिए दिग्विजय सिंह जैसे नेताओं को। यह भारतीय संस्कृति का अपमान हैं। उन्होंने कहा कि कि कन्या पूजन का विरोध करते हैं, नाटक और नौटंकी बताते हैं। यह भारती परंपराओं और सनातन धर्म का अपमान है।

30 अक्टूबर को इंदौर में शिवराज और कमलनाथ

मप्र में विधानसभा चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ अपनी अपनी पार्टियों के प्रचार के लिए लगातार दौरे कर रहे हैं। 30 अक्टूबर के दिन शिवराजसिंह चौहान और कमलनाथ दोनों ही इंदौर आएंगे। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान इस दिन एक बड़ी रैली के रूप में सभी प्रत्याशियों के नामांकन दाखिल कराएंगे और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एक सभा को संबोधित करेंगे।

मप्र में विधानसभा चुनाव के चलते केंद्र के बड़े नेताओं के अब लगातार दौरे प्रस्तावित हैं। 29 अक्टूबर को देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी इंदौर आ रहे हैं। वे कैलाश विजयवर्गीय के चुनाव कार्यालय का शुभारंभ करने आ रहे हैं। दूसरी ओर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान 30 अक्टूबर को आएंगे और उनका कार्यक्रम अभी पूरा तय नहीं हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का जो कार्यक्रम अभी आया है, उसके अनुसार वे राजबाड़ा पर देवी अहिल्या की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे और यहां से कांग्रेस के सभी प्रत्याशियों के साथ नामांकन भरने जाएंगे।

दिग्विजय को गंभीरता से नहीं लेते हैं: ज्योतिरादित्य सिंधिया

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह के उस तंज को खारिज कर दिया कि वे मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव से 'भाग गए'। तीन साल पहले कांग्रेस छोड़ने वाले भाजपा नेता सिंधिया ने उलटा मीडिया से ही पूछ लिया कि क्या आप दिग्विजय सिंह को गंभीरता से लेते हैं? दरअसल, ग्वालियर में पत्रकारों ने उनसे वरिष्ठ कांग्रेस दिग्विजय सिंह की उस टिप्पणी के बारे में पूछा था, जिसमें उन्होंने भोपाल में सोमवार को कहा था कि कांग्रेस ने शिवपुरी से केपी सिंह को टिकट दिया है। जबकि उसने इस क्षेत्र से भाजपा के पूर्व विधायक वीरेंद्र रघुवंशी को टिकट देने का वादा किया था, क्योंकि ऐसी उम्मीद थी कि भाजपा की ओर से ज्योतिरादित्य सिंधिया शिवपुरी से चुनाव लड़ेंगे। लेकिन अंत में सिंधिया डर के कारण भाग गए। जानकारी के मुताबिक, सत्तारूढ़ भाजपा ने अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में तीन केंद्रीय मंत्रियों को मैदान में उतारा है। 2018 में बीजेपी की यशोधरा राजे सिंधिया ने शिवपुरी से जीत हासिल की थी। लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस बार चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। इस बीच, शिवपुरी और अशोक नगर के कुछ कांग्रेस नेता यहां सिंधिया की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गए।

हार जीत कर्मों और जनता के आशीर्वाद पर निर्भर : उमा भारती

भोपाल। मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती ने कहा है कि मेरे चुनाव नहीं लड़ने की बात मुझे नीचा दिखाने को फैलाई गई है। उन्होंने कहा कि हार जीत कर्मों और जनता के आशीर्वाद पर निर्भर है। भाजपा की फायर ब्रैंड नेता उमा भारती ने एक एक अन्य ट्वीट में दो विषय पर अपनी बातें रखीं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश विधानसभा के लिए मेरे चुनाव लड़ने की बात एक शरारतपूर्ण और मुझे नीचा दिखाने के लिए फैलाई गई अफवाह थी। मैंने 2019 का चुनाव लड़ते समय कहा था कि मैं 2024 का चुनाव लड़ूंगी और अब मैंने कुछ समय पहले यह कहा है कि इस बारे में मेरा बोलने का समय खत्म हो गया है। अब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष इस पर वक्तव्य दे सकते हैं। वहीं, दूसरे विषय पर उमा भारती ने कहा कि कार्तिक मास में कुछ समय के लिए हिमालय जाती हूं। इसका मतलब पूरा महीना नहीं है। मेरी कुछ दिनों की अनुपस्थिति का मतलब यह नहीं निकाला जाना चाहिए कि मैं पार्टी को हराना चाहती हूं। हारना जीतना हमारे कर्मों से और जनता के आशीर्वाद से तय होता है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के बीच पूर्व सीएम उमा भारती ने फिर शराब दुकानों का मुद्दा उठाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि मेरे बड़े भाई मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जहां लाडली बहनें लिखकर देंगी वहां शराब की दुकान भी बंद हो जाएगी। पूर्व सीएम ने लिखा कि इसके लिए शिवराज जी का अभिनंदन, ऐसी कई दुकानें मेरी नजर में हैं। मैं अभी दो से तीन दिन में ही लाडली बहनों से लिखवा कर कलेक्टर के पास भिजवाती हूं। चुनाव आचार संहिता के चलते क्या वे सीएम की घोषणा को मानेंगे?

फोटो : 4पीएम

स्थापना दिवस

एनबीआरआई के 70वें स्थापना दिवस का दीप जलाकर उद्घाटन करते चंद्रशेखर आजाद कृषि विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह साथ में डॉ. विकी मिश्रा डायरेक्टर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद व डॉ. प्रमोद शिकरे।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान जनरेटर में आग लगने से नौ बच्चे झुलसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के सतारा जिले में दशहरा के दिन देवी दुर्गा की प्रतिमा की विसर्जन यात्रा के दौरान जनरेटर में आग लग गई जिससे नौ बच्चे झुलस गए। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी बच्चों की हालत स्थिर है। यह घटना मशहूर हिल स्टेशन महाबलेश्वर के कोली आली इलाके में मंगलवार शाम को हुई।

पुलिस के अनुसार, जनरेटर उस वाहन पर रखा हुआ था जिस पर देवी दुर्गा की मूर्ति को विसर्जन के लिए लेकर जाया जा रहा था। महाबलेश्वर थाने के एक अधिकारी ने कहा, जनरेटर के ज्यादा गर्म हो जाने से उसमें आग लग गई। पास ही पेट्रोल का कनस्तर रखा था जिससे आग बढ़ गई। इस दौरान वाहन पर बैठे नौ बच्चे झुलस गए। बच्चों को तुरंत सतारा और पुणे के अस्पताल ले जाया गया। पुलिस अधीक्षक समीर शेख ने बताया कि बच्चों की हालत स्थिर है और उनका अलग-अगल अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं अन्य को लीगल नोटिस

» आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने लगाए आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने आईएएस व आईपीएस अफसरों के खिलाफ कानूनी नोकटस भेजा है। उन्होंने प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा, पूर्व डीएम औरैया प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव तथा एसपी औरैया चारू निगम द्वारा उनके संबंध में की गई टिप्पणी पर लीगल नोटिस भेजा है।

श्री श्रीवास्तव और सुश्री निगम ने औरैया में तैनात रहे पूर्व डॉक्टर आरके सैनी के संबंध में शासन को प्रेषित अपने पत्र में लिखा था कि अमिताभ ठाकुर ने सीएचसी अजीतमल जाकर माहौल खराब करने का प्रयास किया जिसे जिला प्रशासन द्वारा कड़ी नजर रखते हुए रोका गया। इस बात को पार्थ सारथी सेन शर्मा ने डॉ. सैनी के आरोप पत्र में भी अंकित किया। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर इन बातों को इसे असत्य और मानहानिपरक बताते हुए इन तीनों अफसरों को लीगल नोटिस भेजा है और 15 दिनों में स्थिति स्पष्ट नहीं किए जाने पर विधि कार्रवाई करने की बात कही है। यह जानकारी आजाद अधिकार सेना की प्रवक्ता डॉ नूतन ठाकुर ने दी ।

अफ्रीका ने लगाया जीत का चौका, डिकॉक-क्लासेन चमके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» विश्वकप : बांग्लादेश को 149 रनों से रौंदा

» अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचा

मुंबई। बेहतरीन फॉर्म में चल रहे क्विंटन डिकॉक के बड़े शतक और हेनरिक क्लासेन की तूफानी पारी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने महमुदुल्लाह के सैकड़े के बावजूद बांग्लादेश को 149 रन से करारी शिकस्त देकर आईसीसी वनडे विश्व कप में अपनी चौथी जीत दर्ज की। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 382 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में बांग्लादेश की टीम 46.4 ओवर में 233 रन बनाकर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका के पांच मैच में चार जीत से आठ अंक हो गए हैं और वह अंक तालिका में भारत के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। बांग्लादेश की यह लगातार चौथी हार है, जिससे उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद लगभग समाप्त हो गई है।

बांग्लादेश इस हार से अंतिम स्थान पर खिसक गया है। डिकॉक ने 140 गेंद पर 174 रन बनाकर वर्तमान टूर्नामेंट में अपना तीसरा शतक लगाया। उनकी पारी में 15 चौके और सात छक्के शामिल हैं। उन्होंने कप्तान एडेन मार्कराम (69 गेंद पर 60 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 131 रन की साझेदारी करके टीम को शुरुआती झटकों से उबारा। डिकॉक ने इसके बाद क्लासेन और के साथ चौथे विकेट के लिए केवल 87 गेंद पर 142 रन जोड़े। क्लासेन ने केवल 49 गेंद पर 90 रन बनाए, जिसमें दो चौके और आठ छक्के शामिल हैं। उन्होंने डेविड मिलर (15 गेंद पर नाबाद 34) के साथ केवल 25 गेंद पर 65 रन की साझेदारी की। इससे दक्षिण अफ्रीका अंतिम 10 ओवर में 144 रन जोड़ने में सफल रहा। बांग्लादेश पर एक समय सस्ते में सिमटने का खतरा मंडरा रहा था क्योंकि उसके छह विकेट 81 रन पर निकल गए थे। बांग्लादेश अगर 200 रन के पार पहुंच पाया तो उसका श्रेय छठे नंबर के बल्लेबाज महमुदुल्लाह को जाता है जिन्होंने 111 गेंद पर 111 रन बनाए जिसमें 11 चौके और चार छक्के शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से गेराल्ड कोएत्जी ने तीन जबकि लिजाड विलियम्स, कागिसो रबाडा और मार्को यानसन ने दो-दो विकेट लिए।

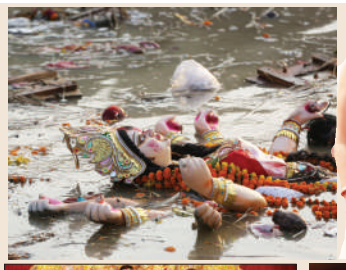

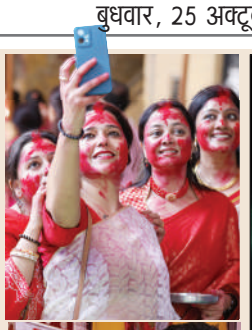

दशहरे की धूम सहारा परिवार की महिला सदस्यों ने मां दुर्गा को सिंदूर चढ़ा कर सिंदूर खेला में जमकर भाग लिया। आईएएस अफसर पार्थसारथी सेन शर्मा ने धुनुची नृत्य में मां का गुणगान किया। साथ ही राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में रावण दहन किया गया। इससे पहले सुबह से देर रात तक नौ दिनों के बाद माता दुर्गा की मुर्तियों का विसर्जन किया गया।

राजस्थान में प्रियंका ने फिर भरी हुंकार

लोगों से कहा- भाजपा से रहें सतर्क, बोलीं- कांग्रेस की सरकार ही लाएगी खुशहाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के रण में कांग्रेस के प्रचार प्रसार की पताका अब प्रियंका गांधी ने भी थाम ली है। कांग्रेस पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी ने बुधवार को राजस्थान के झुंझुनूं में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस सभा में जो लोग खुद पहुंचकर शामिल नहीं हो सकते हैं उनके लिए कांग्रेस पार्टी ने ऑनलाइन इस सभा से जुड़ने का विकल्प भी सुझाया है।

प्रियंका गांधी की सभा से फेसबुक के जरिए भी लाइव जुड़ा जा सकता है, ये सभा साढ़े 12 बजे से शुरू होगी। ये जानकारी खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर साझा की है। प्रियंका पहुंचीं जयपुर एयरपोर्ट से सीएम अशोक गहलोत और प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा संग झुंझुनू रवाना हो गई हैं। वह वहां पर महिलाओं को लेकर कुछ बड़ी घोषणा करेंगी। इन घोषणाओं में कांग्रेस सरकार बनने के पहले साल से ही प्रत्येक गृहणी को एक निश्चित राशि मिलेगी। सीएम गहलोत ने कहा कि बच्चों को संभालना और घर का रखरखाव बहुत ही सम्माननीय काम है। इसके अलावा गांव में रहने वाले लगभग हर परिवार को 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जाएगा। अभी कांग्रेस सरकार तीन महीने से 76 लाख परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर दे रही है। प्रियंका की सभा में भीड़ जुटाने लिए तीन मंत्री समेत कई विधायकों को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा सचिन पायलट भी सभा की तैयारियां देख रहे हैं।

गहलोत ने फेसबुक पर लोगों से लाइव जुड़ने की अपील की

यूं तो अलग-अलग दल अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की सभाओं को ऑनलाइन लाइव स्ट्रीम करती ही है, लेकिन इसके लिए ट्वीट कर के न्योता देना नई पहल के रूप में सामने आ रहा है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के किसी चेहरे की रैली में ऑनलाइन बुलाने की ये नई पहल गहलोत ने शुरू की है। दरअसल कांग्रेस पार्टी पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर काफी आक्रामक हुई है। पिछले दिनों पार्टी ने राहुल गांधी की वीडियोज पर दिखने वाले व्यूज को लेकर भी काफी सक्रियता दिखाई थी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी पार्टी ने सोशल मीडिया इंफ्लुएंजर्स और ट्विटर चैनल्स को अपने कार्यक्रमों में बुलाया था। अब पार्टी राजस्थान में भी सोशल मीडिया का इस्तेमाल बढ़-चढ़कर करने का प्रयास कर रही है।

मोइत्रा का मामला देश को गुमराह करने का: निशिकांत

» टीएमसी सांसद को बीजेपी नेता ने घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बीच शुरू हुई तू तू-मैं मैं अभी शांत होती नहीं दिख रही है। दुबे ने बुधवार को एक बार फिर तृणमूल सांसद पर ताजा हमला बोला है। पैसों के बदले सवाल पूछने के मामले को लेकर उन्होंने कहा कि सवाल अडानी, डिग्री या चोरी का नहीं है, बल्कि यह मामला देश को गुमराह कर भ्रष्टाचार करने का है।

सांसद निशिकांत दुबे ने एक्स पर किए अपने पोस्ट में लिखा कि यह पूरा मुद्दा भारतीय संसद की गरिमा और देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। दुबे ने अपने पोस्ट में महुआ मोइत्रा से कुछ सवाल पूछे हैं, साथ ही मांग रखी है कि उन्हें इनका जवाब देना होगा। उन्होंने पूछा दुबई में एनआईसी संसद की आचार समिति के सामने पेश होने से ठीक एक दिन पहले बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने महुआ मोइत्रा पर फिर से निशाना साधा है। सवाल संसद की गरिमा, भारत की सुरक्षा व कथित सांसद की जवाब देही का है, जबाब देना है कि दुबई में एनआईसी मेल खुला की नहीं? पैसे के बदले प्रश्न पूछे कि नहीं? विदेश जाने आने के खर्च किसने उठाए?

नियमों का किया उल्लंघन : महुआ

निशिकांत दुबे का यह आरोप महुआ मोइत्रा के उन आरोपों के बाद आया है, जब इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दुबे को आश्वासन दिया था कि संसद लॉगिन क्रेडेंशियल के दुरुपयोग पर उनकी शिकायत पर गौर किया जाएगा। दरअसल महुआ मोइत्रा ने निशिकांत दुबे औक मनोज तिवारी पर लगाया था कि इन्होंने अगस्त 2022 में देवघर हवाई अड्डे पर सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया था। इन दोनों ने एटीसी पर शाम के वक्त निजी विमान को टेक ऑफ कराने के लिए दबाव बनाया था। मामले की शुरुआती जांच में सामने आया था कि एटीसी ने विजिबिलिटी कम होने के कारण उड़ान के लिए इनकार कर दिया था।

अब आराम करें सीएम नीतीश: सम्राट चौधरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार सियासी बयानबाजी और वार-पलटवार तेज है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने एक बार फिर प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि नीतीश जी के लिए अब सब दूध-भात है, यानी उनके लिए सब माफ है। इसके साथ ही सम्राट चौधरी ने सीएम को आराम करने की सलाह भी दी है।

सम्राट चौधरी ने बुधवार को अपने एक्स हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने लिखा है कि नीतीश जी को अब आराम करना चाहिए। वह कब क्या बोल देंगे कुछ पता नहीं, आज कल वह बहुत डरे हुए हैं। अब वह जो भी बोलें वह दूध-भात है। इस वीडियो में सम्राट चौधरी मीडिया से बात करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं आग्रह कर रहा हूं, नीतीश को अब आराम करना चाहिए। मेरा मानना है कि नीतीश जी बीमार चल रहे हैं। कब क्या बोलेंगे, ये कोई नहीं जानता है। किसको दुश्मन बनाएंगे, किसको दोस्त बनाएंगे। इतना डर क्या है... इतना डर क्यों जाते हैं?

उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत चोटिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हल्द्वानी। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत दर्दनाक हादसे का शिकार हो गए। मंगलवार देर रात हल्द्वानी से काशीपुर जाते समय बाजपुर में पूर्व सीएम हरीश रावत की कार डिवाइडर से टकरा गई।हादसे में पूर्व सीएम की कमर व गर्दन में चोट आई। जबकि एक सहयोगी के हाथ और दूसरे के पैर में चोट लगी है।

डिवाइडर से टकराई कार, तीन घायल

हादसे के तुरंत बाद पूर्व सीएम संग दो अन्य घायल भी काशीपुर के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचे थे।पूर्व सीएम हरीश रावत मंगलवार को हल्द्वानी पहुंचे थे। जिसके बाद वह देर शाम काशीपुर को जा रहे थे। बाजपुर में उनकी गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई। वाहन में पूर्व सीएम के अलावा सहयोग अजय शर्मा व कमल रावत भी सवार थे।

गर्दन व कमर में चोट: हादसे में पूर्व सीएम की गर्दन व कमर में हल्की चोट आई। जबकि अजय के हाथ और कमल के पैर में चोट आई। रात में सभी उपचार के लिए काशीपुर स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल में पहुंचे थे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज भी हो गए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।